UP Board Important Questions Class 9 लोक्तांत्रिक राजनिति Chapter 5 लोकतांत्रिक अधिकार Loktantrik Rajniti

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
किस देश में एक वंश का शासन चलता है?
उत्तर(5) भोजन का अधिकार
सऊदी अरब में।

प्रश्न 2.
पूर्व यूगोस्लाविया के किस प्रान्त में जातीय नरसंहार हुआ?
उत्तर:
कोसोवो प्रान्त में।

प्रश्न 3.
किस देश में महिलाओं को मताधिकार प्राप्त नहीं है?
उत्तर:
सऊदी अरब में।

प्रश्न 4.
संवैधानिक उपचारों के अधिकार के विषय में डॉ. अम्बेडकर ने क्या कहा है?
उत्तर:
संवैधानिक उपचारों के अधिकार को डॉ. अम्बेडकर ने संविधान की आत्मा और हृदय कहा है।

प्रश्न 5.
भारत में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की स्थापना कब हुई?
उत्तर:
भारत में 1993 में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की स्थापना हुई।

प्रश्न 6.
गुआंतानामो बे किस बात को लेकर चर्चा में थी?
उत्तर:
क्यूबा के नजदीक स्थित गुआंतानामो बे में अमेरिका ने लगभग 600 लोगों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों से पकड़कर जेल में डाल दिया था।

प्रश्न 7.
'एमनेस्टी इंटरनेशनल' के बारे में आप क्या जानते हैं?
उत्तर:

यह स्वयंसेवकों का अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो मानवाधिकारों के लिये अभियान चलाता है तथा दनियाभर में मानवाधिकारों की अवहेलना पर स्वतंत्र रिपोर्ट प्रकाशित करता है।

प्रश्न 8.
क्या सऊदी अरब में धर्म की स्वतंत्रता है?
उत्तर:
नहीं, वहाँ लोगों को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं है। वहाँ के प्रत्येक नागरिक के लिये मुसलमान होना अनिवार्य है। गैर-मुस्लिम प्रवासियों को निजी तौर पर अपना धर्म मानने की छूट है किंतु सार्वजनिक तौर पर नहीं।

प्रश्न 9.
अधिकार से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
अधिकार लोगों के तार्किक दावे हैं, इन्हें समाज से स्वीकृति और अदालतों द्वारा मान्यता मिली होती है।

प्रश्न 10.
मौलिक अधिकार से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
कुछ ऐसे अधिकार हैं जो हमारे जीवन के लिये मूलभूत एवं परमावश्यक हैं, उन्हें संविधान में विशेष स्थान दिया है। इन्हीं अधिकारों को मौलिक अधिकार कहते हैं।

प्रश्न 11.
समय-समय पर न्यायालयों ने ऐसे फैसले दिये हैं जिनसे मूल अधिकारों का
दायरा बढ़ा है। ये अधिकार कौनसे हैं?
अथवा
कुछ ऐसे अधिकारों के नाम दीजिए जो मौलिक अधिकारों से उत्पन्न हुए हैं।
उत्तर:

- प्रेस की स्वतंत्रता का अधिकार
- सूचना का अधिकार
- शिक्षा का अधिकार
- भोजन का अधिकार।

प्रश्न 12.
किन्हीं तीन बुराइयों का वर्णन करें, जिन्हें शोषण के विरुद्ध अधिकार के अन्तर्गत गैर-कानूनी घोषित किया गया है।
उत्तर:

- मनुष्यों का अवैध व्यापार
- बेगार श्रम
- बाल मजदूरी।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 13.
'छुआछूत' क्या है?
उत्तर:
छुआछूत कोई ऐसा विश्वास या सामाजिक व्यवहार है जिसके द्वारा व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को उसके किसी खास जाति या समुदाय में जन्म होने के कारण हेय दृष्टि से देखता है तथा अछूत समझता है।

प्रश्न 14.
'जीवन के अधिकार' या 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
किसी भी व्यक्ति को उसके जीवन के अधिकार या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अतिरिक्त और किसी तरीके से वंचित नहीं किया जा सकता है।

प्रश्न 15.
'बंधुआ मजदर' से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
जब बेगारी किसी मजदूर को जीवन भर के लिये करनी पड़ती है तो उसे 'बंधुआ मजदूर' कहा जाता है।

प्रश्न 16.
'धर्मनिरपेक्षता' से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
'धर्मनिरपेक्षता' इस विचार पर आधारित है कि शासन का काम सिर्फ मानव के बीच के मामलों को देखना है न कि मानव तथा भगवान से उसके संबंधों के बीच के मामलों को देखना।

प्रश्न 17.
'धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार' का क्या अर्थ है?
उत्तर:

- इसका अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद के धर्म को मानने, उसका पालन करने तथा उसके प्रचार का अधिकार है।
- प्रत्येक धार्मिक समूह या संप्रदाय अपने धार्मिक मामलों के प्रबंध के लिये स्वतंत्र है।

प्रश्न 18.
शिक्षा का अधिकार क्या है?
उत्तर:
14 वर्ष तक के समस्त बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा दिलाना।

प्रश्न 19.
'रिट' क्या है?
उत्तर:
यह एक आधिकारिक दस्तावेज है जिसमें सरकार के लिये अदालती आदेश होता है। यह उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी किया जाता है।

प्रश्न 20.
'PIL' से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
PIL या जनहित याचिका के अन्तर्गत कोई नागरिक या नागरिकों का समूह किसी विशेष कानून या सरकारी कार्रवाई के विरुद्ध जनहित की सुरक्षा हेतु सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय से संपर्क कर सकता है।

प्रश्न 21.
दक्षिण अफ्रीका के संविधान में नागरिकों को किस तरह के नए अधिकार मिले हैं?
उत्तर:
दक्षिण अफ्रीका के संविधान में नागरिकों में निजता का अधिकार, पर्यावरण का अधिकार, पर्याप्त आवास पाने का अधिकार तथा स्वास्थ्य सेवाओं व भोजन-पानी का अधिकार मिले हैं।

प्रश्न 22.
निजता के अधिकार को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
निजता के अधिकार के कारण नागरिकों और उनके घरों की तलाशी नहीं ली जा सकती, उनके फोन टैप नहीं किये जा सकते आदि।

प्रश्न 23.
पर्यावरण के अधिकार से क्या आशय है?
उत्तर:
पर्यावरण के अधिकार से आशय है-ऐसा पर्यावरण पाने का अधिकार जो नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रतिकूल न हो।

प्रश्न 24.
दलित से क्या आशय है?
उत्तर:
दलित से आशय है-ऐसी जाति में जन्मा व्यक्ति जिसे दूसरी जातियों के व्यक्ति छूने लायक नहीं मानते।

प्रश्न 25.
जातीय समूह से क्या आशय है?
उत्तर:
जातीय समूह से आशय है-मानव जाति का ऐसा समूह जिसमें लोग आपस में एक मूल वंश या सम्यक वंश के हों तथा वे सांस्कृतिक आचरणों, धार्मिक विश्वासों व ऐतिहासिक स्मृतियों से परस्पर जुड़े हों।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
अधिकार क्या हैं? लोकतंत्र में अधिकारों की क्या जरूरत है?
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

अधिकार से आशय-अधिकार लोगों के तार्किक दावे हैं. इन्हें समाज से स्वीकति और अदालतों द्वारा मान्यता मिली होती है।
लोकतंत्र में अधिकारों की आवश्यकता-

- लोकतंत्र की स्थापना के लिए अधिकारों का होना आवश्यक है। इस हेतु लोकतंत्र में हर नागरिक को वोट देने और चुनाव लड़कर प्रतिनिधि चुने जाने के अधिकार का होना आवश्यक है। इसके साथ ही लोकतांत्रिक चुनाव हों इसके लिए भी लोगों को अपने विचारों के व्यक्त करने की, राजनैतिक पार्टी बनाने और राजनैतिक गतिविधियों की स्वतंत्रता का होना आवश्यक है।
- लोकतंत्र में अधिकार बहुसंख्यकों के दमन से अल्पसंख्यकों की रक्षा करते हैं।
- अधिकार स्थितियों के बिगड़ने पर एक तरह की गारण्टी होते हैं।

प्रश्न 2.
मूल अधिकारों का उल्लेख करें, जो संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदान किये गये हैं।
उत्तर:

- समानता का अधिकार।
- स्वतंत्रता का अधिकार।
- शोषण के विरुद्ध अधिकार।
- धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार।
- संस्कृति तथा शिक्षा संबंधी अधिकार।
- संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

प्रश्न 3.
जनहित याचिका क्या है?
उत्तर:
जनहित याचिका के अन्तर्गत कोई नागरिक अथवा नागरिकों का एक समूह, किसी विशेष कानन अथवा सरकार की कार्यविधियों के विरोध में सार्वजनिक हितों की सुरक्षा के लिये उच्चतम न्यायालय अथवा उच्च न्यायालय की शरण में जा सकता है। व्यक्ति न्यायाधीश को अपनी शिकायत पोस्टकार्ड पर लिख सकता है। यदि न्यायाधीश उसे सार्वजनिक हित में सही पाता है तो मामला न्यायालय में ले जाया जायेगा।

प्रश्न 4.
भारतीय संविधान द्वारा आश्वासित अधिकारों को मूल अधिकार क्यों कहते हैं?
उत्तर:
भारतीय संविधान द्वारा आश्वासित अधिकारों को मूल अधिकार इसलिये कहते हैं, क्योंकि-

- ये अधिकार नागरिकों के सम्पूर्ण विकास के लिये आवश्यक होते हैं।
- ये अधिकार संविधान द्वारा सभी नागरिकों को दिये गये हैं और कोई भी सरकार इन्हें रदद नहीं कर सकती।
- ये लोकतंत्र की धुरी हैं।
- ये कानून के न्यायालयों में लागू किये जाते हैं।

प्रश्न 5.
कानून के शासन की व्याख्या कीजिये।
उत्तर:

- 'कानून का शासन' किसी भी लोकतंत्र का आधार है। इसका अर्थ है कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। इस आधार पर किसी राजनेता या सरकारी अधिकारी या एक साधारण नागरिक के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता।
- प्रत्येक नागरिक, प्रधानमंत्री से लेकर दूर-दराज के गाँव के एक गरीब नागरिक तक सभी पर समान कानून लागू होता है।
- कोई भी व्यक्ति कानूनी तौर पर किसी खास व्यवहार का दावा नहीं कर सकता, चाहे वह कितना ही महत्त्वपूर्ण व्यक्ति क्यों न हो।

प्रश्न 6.
आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिज्ञापत्र में किन अधिकारों को मान्यता दी है?
उत्तर:
अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिज्ञा पत्र में निम्न अधिकारों को स्वीकार किया गया है-

- काम करने अर्थात् काम द्वारा प्रत्येक व्यक्ति के लिये आजीविका प्राप्त करने के अवसर का अधिकार।

- स्वस्थ एवं सुरक्षित कार्य परिस्थितियों तथा उचित वेतन प्राप्त करने का अधिकार।
- पर्याप्त भोजन, वस्त्र एवं आवास समेत पर्याप्त जीवन-स्तर प्राप्त करने का अधिकार।
- सामाजिक सुरक्षा एवं बीमा का अधिकार।
- स्वास्थ्य का अधिकार; बीमारी के समय इलाज, प्रजनन काल में महिलाओं का खास ख्याल तथा महामारियों से रोकथाम करना।
- मुफ्त एवं अनिवार्य स्कूली शिक्षा तथा उच्चतर शिक्षा तक समान पहुँच का अधिकार।

प्रश्न 7.
एमनेस्टी इंटरनेशनल क्या है? गुआन्तानामो 'बे' में इसने क्या सूचनाएँ एकत्र की थीं?
उत्तर:
एमनेस्टी इंटरनेशनल-एमनेस्टी इंटरनेशनल मानवाधिकारों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं का एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है। यह संगठन दुनिया भर में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर स्वतंत्र रिपोर्ट जारी करता है। गुआन्तानामो बे के कैदियों की स्थितियों के बारे में इसने निम्न सूचनाएँ एकत्र की-

- इसने बताया कि इन कैदियों के साथ ज्यादती की जा रही है।
- उनके साथ अमेरिकी काननों के अनुसार भी व्यवहार नहीं किया जा रहा है।
- अनेक कैदियों ने भूख हड़ताल करके इन स्थितियों के खिलाफ विरोध करना चाहा पर उनको जबरन खिलाया गया या नाक के रास्ते उनके पेट में भोजन पहुँचाया गया।
- जिन कैदियों को आधिकारिक रूप से निर्दोष करार दिया गया था, उनको भी नहीं छोड़ा गया।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा करायी गई एक स्वतंत्र जाँच में भी इन बातों की पुष्टि हुई।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 8.
कोई ऐसे तीन प्रावधान बताइए जो भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाते हैं।
उत्तर:
कोई धर्मनिरपेक्ष देश या राष्ट्र वह होता है जहाँ का शासन किसी भी धर्म को आधिकारिक धर्म की मान्यता नहीं देता। भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है क्योंकि-

- यहाँ लोग विभिन्न धर्मों का पालन करते हैं । यहाँ हर किसी को अपना धर्म मानने, उस पर आचरण करने और उसका शांतिपूर्वक प्रचार करने का अधिकार है।
- भारतीय शासन किसी एक धर्म को आधिकारिक धर्म घोषित नहीं करता है, बल्कि शासन सभी धर्मों के प्रति समभाव रखता है।
- भारतीय संविधान में धर्म के आधार पर भेदभाव को वर्जित किया गया है।

प्रश्न 9.
उन नये अधिकारों की चर्चा कीजिये जिसकी गारंटी दक्षिणी अफ्रीकी संविधान
द्वारा नागरिकों को दी गई है।
अथवा
ऐसे कौन-से अधिकार हैं जो दक्षिण अफ्रीकी जनता को तो प्राप्त हैं किंतु हमें नहीं ?
उत्तर:

- निजता का अधिकार ताकि नागरिक या उसके घरों की तलाशी न ली जाये, उनके फोन टेप न किये जायें तथा उनके संचार-व्यवहार को न खोला जाये।
- पर्याप्त आवास प्राप्त करने का अधिकार।
- एक ऐसे पर्यावरण का अधिकार जो उनके स्वास्थ्य तथा उनकी अच्छाई के लिये हानिकारक न हो।
- स्वास्थ्य सेवा तथा पर्याप्त भोजन एवं जल प्राप्त करने का अधिकार, किसी भी व्यक्ति को आपात चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने से इनकार नहीं किया जा सकता।

प्रश्न 10.
भारत में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा के लिये किन्हीं तीन प्रमुख संवैधानिक प्रावधानों का वर्णन करें।
उत्तर:
(1) समानता का अधिकार-इसके अन्तर्गत महिलाओं तथा बच्चों के लिये राज्य विशेष प्रावधान कर सकता है।
(2) शोषण के विरुद्ध अधिकार-(i) इसके अन्तर्गत महिलाओं तथा बच्चों को खरीदना और बेचना कानून के अनुसार दण्डनीय अपराध होगा।
(ii) इसके अन्तर्गत 14 वर्ष से कम आयु का कोई बालक किसी फैक्टरी अथवा खान अथवा और किसी खतरनाक रोजगार में काम नहीं करेगा।

प्रश्न 11.
'संवैधानिक उपचार के अधिकार' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
उत्तर:

- इस अधिकार के माध्यम से ही अन्य सभी मूल अधिकार प्रभावी बनते हैं तथा राज्य की तानाशाही गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

- जब हमारे किसी अधिकार का किसी अन्य नागरिक अथवा निजी निकाय या सरकार द्वारा अतिक्रमण किया जाता है तो हम इस संबंध में सीधे सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय से संपर्क कर सकते हैं।
- यदि विधायिका या कार्यपालिका की कोई कार्रवाई हमारे किसी भी मौलिक अधिकार को सीमित करती है या उसका उल्लंघन करती है तो यह गैर-कानूनी होगी। हम ऐसे कानून, ऐसी नीतियों तथा सरकारी या गैर-सरकारी एजेंसियों, जैसे-बैंक, विद्‌युत बोर्ड या शैक्षणिक संस्थानों को चुनौती दे सकते हैं।

प्रश्न 12.
स्वतंत्रता के अधिकार के तहत भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को कौन-कौनसी स्वतंत्रताएँ प्रदान करता है?
उत्तर:
स्वतंत्रता का अधिकार-स्वतंत्रता के अधिकार के तहत भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को निम्नलिखित स्वतंत्रताएँ प्रदान करता है-

- वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।
- शांतिपूर्ण सभा या सम्मेलन करने की स्वतंत्रता
- संगठन या संघ बनाने की स्वतंत्रता
- देश के अन्दर कहीं भी निवास करने की स्वतंत्रता
- देश में अबाध भ्रमण की स्वतंत्रता
- व्यवसायं की स्वतंत्रता।

प्रश्न 13.
NHRC के बारे में आप क्या जानते हैं? इसकी शक्तियों के बारे में संक्षिप्त में
लिखिये।
उत्तर:
(1) NHRC या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (National Human Rights Commission) एक स्वतंत्र आयोग है जिसकी स्थापना 1993 में की गई थी।

(2) इस आयोग की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। इसमें अवकाश प्राप्त न्यायाधीश, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक शामिल होते हैं। इसकी प्रमुख शक्तियाँ ये हैं
(i) यह किसी अन्य अदालत की तरह सम्मन जारी कर सकता है।
(ii) यह किसी भी सरकारी अधिकारी से पूछताछ कर सकता है तथा आधिकारिक दस्तावेजों की माँग कर सकता है।
(iii) यह किसी भी जेल का निरीक्षण कर सकता है तथा कार्य-स्थल पर जाँच के लिये अपने दल भेज सकता है।

प्रश्न 14.
राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के प्रमख कार्य क्या हैं ?
उत्तर:
राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं-

- देश में मानव अधिकारों को प्रोत्साहित करना।
- मानव अधिकारों के उल्लंघन के किसी मामले में स्वतंत्र तथा विश्वसनीय जाँच करना।

https://www.evidyarthi.in/

- देश में मानवाधिकारों को बढ़ाने तथा चेतना जगाने का काम करना।
- सरकार को अपनी जाँच की रिपोर्ट तथा सिफारिशों को प्रस्तुत करने के लिये अथवा पीड़ित व्यक्ति की ओर से न्यायालय में दखल देना।

प्रश्न 15.
वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये। इसकी क्या सीमाएँ
उत्तर:
(1) वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार किसी भी लोकतंत्र की एक अनिवार्य विशेषता है।
(2) हमें अलग तरीकों से सोचने तथा उसके अनुसार अपने विचारों को व्यक्त करने का अधिकार है। हम सरकार या किसी संगठन के कार्यों एवं गतिविधियों की आलोचना करने के लिये स्वतंत्र हैं।
(3) हम पंफलेट, पत्रिका या अखबारों के माध्यम से अपने विचारों से जनता के बीच प्रसार कर सकते हैं।

सीमाएँ-

- किंतु इसका उपयोग हम दूसरों के विरुद्ध हिंसा फैलाने के लिये नहीं कर सकते हैं।
- हम इसका उपयोग जनता को सरकार के विरुद्ध भड़काने के लिये नहीं कर सकते हैं।
- कोई भी व्यक्ति ऐसी झूठी या घटिया बातें करके किसी दूसरे को अपमानित नहीं कर सकता जिससे उसके सम्मान को हानि होती हो।

प्रश्न 16.
"बीते वर्षों के दौरान अधिकारों का दायरा बढ़ा है।" इन विस्तृत होते अधिकारों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
समय-समय पर अदालतों ने ऐसे फैसले दिए हैं जिनसे अधिकारों का दायरा बढ़ा है। प्रेस की स्वतंत्रता का अधिकार, सूचना का अधिकार और शिक्षा का अधिकार जैसे अधिकार मौलिक अधिकारों का ही विस्तार है, उन्हीं से निकले हैं। यथा-

- विचारों एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अन्तर्गत ही प्रेस की स्वतंत्रता आती है। सूचना का अधिकार भी विचारों एवं अभिव्यक्ति की आजादी के मौलिक अधिकार के अन्तर्गत आता है। इसके तहत हमें सरकारी दफ्तरों से सूचना माँगने और पाने का अधिकार है।।
- शिक्षा का अधिकार भी मौलिक अधिकारों का ही विस्तार है। अब स्कूली शिक्षा हर भारतीय का अधिकार बन चुकी है। 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है।
- हाल में ही सर्वोच्च न्यायालय ने जीवन के अधिकार को नया विस्तार देते हुए उसमें भोजन के अधिकार को भी शामिल कर दिया है।